

28. जगदीश पुत्र श्री रायमल गुर्जर आयु वयस्क निवासी- डेलास तहसील करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
29. नारायण पुत्र श्री रायमल गुर्जर आयु वयस्क निवासी- डेलास तहसील करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
30. लाडु पुत्री श्री रायमल गुर्जर आयु वयस्क निवासी- डेलास तहसील करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
31. मेमा पुत्री श्री रायमल गुर्जर आयु वयस्क निवासी- डेलास तहसील करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
32. धीसु देवी पत्नी श्री रायमल गुर्जर आयु वयस्क निवासी- डेलास तहसील करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
33. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार साहय, करेडा जिला भीलवाडा (राज0)
34. उपपंजीयक महोदय, उपपंजीयन कार्यालय, करेडा जिला भीलवाडा (राज0)

— प्रतिवादीगण

वादपत्र बाबत घोषणा , स्थायी निषेधाज्ञा
वादपत्र अन्तर्गत धारा- 88,89,92-क,188 आर.टि.एक्ट

उपस्थित :-

1. श्री मुकेश कुमार तंवर
2. एकपक्षीय
3. परोकार सरकार

—अधिवक्ता वादी
 —प्रतिवादी सं. 01 लगायत 32
 —अधिवक्ता—प्रतिवादी संख्या 33 व 34

:: निर्णय ::

दिनांक—20.08.2025

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि वादीगण ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध वाद वावत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 88, 89,92-क, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत इस आशय का पेश किया कि वादीगण एवं प्रतिवादीगण के परिवार का सजरा वादपत्र के साथ परिशिष्ट अ के रूप में संलग्न किया है, जो वादपत्र का अभिन्न अंग है। राजस्व ग्राम करेडा पटवार हल्का करेडा तहसील करेडा जिला भीलवाडा की सरहद में साविक बंदोबस्त की आराजी संख्या 3400/5 रकबा 08 बीघा 03 बिस्वा, आराजी नम्बर 3396 एवं 3402/1 रकबा 07 बीघा एवं आराजी नम्बर 3403 रकबा 43 बीघा 17 बिस्वा कुल कित्ता 03 रकबा 59 बीघा भूमि स्थित है, संवत् 2017 से 2020 से जमाबंदी में रामा, गेना, भैरु प्रताप पिता गोमा, गोकल पिता किशना, छितर पिता हीरा गुर्जर निवासी- डेलास के नाम खातेदारी दर्ज थी। वादी एवं प्रतिवादीगण के परिवार के सजरे परिशिष्ट अ के अनुसार वादी एवं प्रतिवादीगण के मुख्य पुरुष गोमा गुर्जर थे, जिनके जिनके 6 पुत्र किशना, भैरु, रामा, गेना, हीरा प्रताप हुए। वादीगण संलग्न सजरा परिशिष्ट अ के अनुसार भैरु गुर्जर के विधिक वारीसान हे तथा प्रतिवादी संख्या 01 09 किशना के विधिक वारीसान हे तथा प्रतिवादी संख्या 10 लगायत 17 रामा के विधिक वारीसान हे तथा प्रतिवादी संख्या 27 लगायत 32 हीरा के विधिक वारीसान हे व प्रतिवादी संख्या 22 लगायत 26 प्रताप के विधिक वारीसान हे। बंदोबस्त पूर्व की उक्त आराजी संख्या 3400/5 रकबा 08 बीघा 03 बिस्वा, आराजी नम्बर 3396 एवं 3402/1 रकबा 07 बीघा एवं आराजी नम्बर 3403 रकबा 43 बीघा 17 बिस्वा कुल कित्ता 03 रकबा 59 बीघा के हाल आराजी नम्बर 7873 रकबा 02 बीघा 01 बिस्वा, आराजी नम्बर 7874 रकबा 07 बीघा 15 बिस्वा, आराजी नम्बर 7881 रकबा 07 बीघा 07 बिस्वा, आराजी नम्बर 7883 रकबा 05 बीघा, आराजी नम्बर 7884 रकबा 04 बीघा 17 बिस्वा, आराजी नम्बर 7885 रकबा 04 बीघा 17 बिस्वा, आराजी नम्बर 7886 रकबा 07 बीघा, आराजी नम्बर 7887 रकबा 01 बीघा 14 बिस्वा, आराजी नम्बर 7888 रकबा 03 बीघा 15 बिस्वा, आराजी नम्बर 7889 रकबा 03 बीघा, आराजी नम्बर 7890 रकबा 01 बीघा 13 बिस्वा, आराजी नम्बर 7891 रकबा 01 बीघा 09 बिस्वा कुल कित्ता 12 रकबा 50 बीघा 08 बिस्वा कायम हुए, उपरोक्त वर्णित आराजिया को आगे वाद में वादग्रस्त आराजियात के नाम से संबोधित किया जायेगा। बंदोबस्त पूर्व की आराजिया तमे वादीगण के पूर्वज भैरु पुत्र श्री गोमा का नाम राजस्व रेकार्ड में दर्ज था, लेकिन बंदोबस्त की कार्यवाही के दौरान वादीगण के पूर्वज भैरु पुत्र श्री गोमा का नाम बन्दोबस्त विभाग के कर्मचारीयो एवं राजस्व अधिकारीयो के द्वारा दर्ज करने से रह गया, जबकि वादग्रस्त आराजियात में भैरु पुत्र श्री गोमा का 1/6 हिस्सा दर्ज था, तदनुसार ही वादीगण का 1/6 हिस्सा है, तदनुसार ही वादीगण का कब्जा चला आ रहा है। लेकिन बंदोबस्त कार्यवाही के दौरान हुए उक्त त्रुटिपूर्ण इन्द्राज के कारण भैरु पुत्र श्री गोमा गुर्जर का नाम आगे के राजस्व रेकार्ड में इन्द्राज होने से रह गया। इस कारण बंदोबस्त एघात जो हाल नम्बर कायम हुए उनमें वादीगण के पूर्वज भैरु पुत्र श्री गोमा का नाम दर्ज नहीं हो पाया तथा भैरु का निधन हो गया, उसके हजारी एवं प्रभु हुए तथा वादीगण हजारी एवं प्रभु गुर्जर के विधिक वारीसान हे तथा वादग्रस्त आराजिया तमे भैरु पुत्र श्री गोमा गुर्जर का 1/6 हिस्सा था, तदनुसार वादीगण का 1/6 हिस्सा है तथा वादीगण हिस्से अनुसार मौके पर काविज चले आ रहे हैं। गोमा गुर्जर के सभी 6 पुत्रों का निधन हो गया

**उपस्थित अधिवक्ता पदेन
 सहायक कलक्टर करेडा**

वादीगण बैरू के वारीसान है। प्रतिवादीगण किसान, रामा, मेना, हीरा, प्रताप गुर्जर के विधिक वारीसान रामा, मेना, प्रताप, भोक्ल, इतिर आदि का निधन हो गया है, लेकिन राजस्व रेकार्ड में उनके वारीसान का नाम दर्ज नहीं हुआ है, इस कारण से वादीगण एवं प्रतिवादीगण के परिवार का राजस्व परिशिष्ट अ के अनुसार ही वादीगण एवं प्रतिवादीगण का वादग्रस्त आराजियात में हक हिस्सा दर्ज है। बंदोबस्त पूर्व की जमाबंदी में वादीगण के पूर्वज बैरू पुत्र श्री गोमा का 1/6 हक हिस्सा दर्ज था, जो हाल रेकार्ड में बंदोबस्त पश्चात दर्ज नहीं हो पाया, इस कारण वादीगण ने प्रतिवादीगण से निवेदन किया कि उनके पूर्वज बैरू पुत्र श्री गोमा का हिस्सा बंदोबस्त विभाग के कर्मचारी एवं राजस्व अधिकारी की गलती के कारण भूट गया है, बंदोबस्त पश्चात रेकार्ड में दर्ज नहीं हो पाया है। इस कारण सहमति के आधार पर राजस्व रेकार्ड में बैरू पुत्र श्री गोमा का हिस्सा दर्ज करवाते हुए वादीगण का नाम इन्द्राज करवादे। लेकिन प्रतिवादीगण इस बाबत इकार हो गये। पश्चात वादीगण ने प्रतिवादी संख्या 33 के यहाँ भी उनके पूर्वज बैरू पुत्र श्री गोमा का नाम दर्ज करते हुए वादीगण का नाम रेकार्ड में दर्ज करने बाबत निवेदन किया तो तहसीलदार साहब करेड़ा ने वादीगण को कहा कि उक्तानुसार इन्द्राज में त्रुटि हुए काफी समय हो गया है, इस कारण से धीषणात्मक अनुतोष की डिकी के बिना उक्तानुसार संशोधन नहीं हो पायेगा। इस कारण वादीगण को यह वादपत्र वादग्रस्त आराजियात में वादीगण का 1/6 हिस्सा है, तदनुसार 1/6 हिस्से के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाने की डिकी बाबत एवं राजस्व रेकार्ड में इन्द्राज किया जाना आवश्यक है। दिनांक 28/06/2023 को वादीगण ने प्रतिवादीगण से निवेदन किया कि वे सहमति से इन्द्राज को सही कराये, लेकिन प्रतिवादीगण इकार हो गये एवं उन्होंने वादीगण को धमकी दी कि वे वादीगण का नाम राजस्व रेकार्ड में दर्ज नहीं करवायेगे एवं आराजियात को अन्य को विक्रय, हस्तांतरण खुर्द बुर्द एवं भारित करेगे तथा वादीगण को काबिज नहीं रहने देंगे। वादीगण को बेदखल करके रहेगे। इस कारण से वादीगण को वादग्रस्त आराजियात में 1/6 हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित कराये जाने तदनुसार रेकार्ड में इन्द्राज कराये जाने व प्रतिवादी संख्या 01 लगायत 32 द्वारा वादग्रस्त आराजियात को अन्य को विक्रय, हस्तांतरित एवं खुर्द बुर्द नहीं करने व वादीगण के कब्जे उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करने की रथाई निषेधाज्ञा जारी की जाना आवश्यक है।

इस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया व प्रतिवादीगण को नोटिस जारी किया गया प्रतिवादी संख्या 01 लगायत 27 के अनुपस्थित होने से एकपक्षीय कार्यवाही के आदेश दिये जाते हैं एवं प्रतिवादी संख्या 28 लगायत 32 की ओर से अधिवक्ता श्री भागुलाल गुर्जर द्वारा अधिकारपत्र मयजवाव पेश किया जिसे शामिल पत्रावली किया गया एवं वकीलवादी ने साक्ष्य स्वरूप शपथ पत्र एवं साविक रेकार्ड जमाबंदी, मिलान खसरा व वर्तमान जमाबंदी दरतावेजात पेश किये गये जिसे शामिल पत्रावली किया गया। प्रकरण में प्रतिवादी संख्या 28 लगायत 32 साक्ष्य प्रतिवादी पेश करने हेतु प्रकरण में उपस्थित नहीं होने से साक्ष्य प्रतिवादी बन्द की जाकर प्रतिवादी संख्या 28 लगायत 32 के विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये, जिससे प्रकरण में तनकीयात कायम नहीं की गई। वकीलवादी ने एकतरफा वहस करने का निवेदन किया गया,

अधिवक्ता वादीगण की वहस सुनी गई व अधिवक्ता वादीगण द्वारा वाद के तथ्यों को दोहराते हुए वादग्रस्त आराजियात जो कि वादीगण के पूर्वज बैरू गुर्जर के जमाने की होकर पुश्तेनी होने व साविक राजस्व रेकार्ड में बैरू गुर्जर का नाम दर्ज होने व दौरान भू प्रबंध कार्यवाही राजस्व कर्मचारी द्वारा वादीगण के पूर्वज बैरू गुर्जर का नाम विलोपित कर देने से वादीगण को 1/6 हक हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित करने का निवेदन किया गया।

मेने वादीगण के अधिवक्ता की एकतरफा वहस सुनी गई व वादीगण द्वारा प्रस्तुत दरतावेजात का अवलोकन किया गया, वादग्रस्त आराजियात सरहद करेड़ा पटवार हल्का करेड़ा तहसील करेड़ा जिला भीलवाड़ा की आराजी नम्बर 7873 रकवा 02 वीघा 01 विस्वा, आराजी नम्बर 7874 रकवा 07 वीघा 15 विस्वा, आराजी नम्बर 7881 रकवा 07 वीघा 07 विस्वा, आराजी नम्बर 7883 रकवा 05 वीघा, आराजी नम्बर 7884 रकवा 04 वीघा 17 विस्वा, आराजी नम्बर 7885 रकवा 04 वीघा 17 विस्वा, आराजी नम्बर 7886 रकवा 07 वीघा, आराजी नम्बर 7887 रकवा 01 वीघा 14 विस्वा, आराजी नम्बर 7888 रकवा 03 वीघा 15 विस्वा, आराजी नम्बर 7889 रकवा 03 वीघा, आराजी नम्बर 7890 रकवा 01 वीघा 13 विस्वा, आराजी नम्बर 7891 रकवा 01 वीघा 09 विस्वा कुल कित्ता 12 रकवा 50 वीघा 08 विस्वा जिसके साविक आराजी संख्या 400/5 रकवा 08 वीघा 03 विस्वा, आराजी नम्बर 3396 एवं 3402/1 रकवा 07 वीघा एवं आराजी नम्बर 403 रकवा 43 वीघा 17 विस्वा कुल कित्ता 03 रकवा 59 वीघा है, जो साविक रेकार्ड में वादीगण के पूर्वज बैरू पुत्र श्री गोमा गुर्जर का नाम दर्ज है, लेकिन वाद सेटलमेन्ट राजस्व कर्मचारी की लापरवाही के कारण उनका नाम दर्ज नहीं हुआ है। इस कारण वादीगण को 1/6 हक हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाना व वादीगण का 1/6 हक हिस्सा वादीगण के नाम पर दर्ज करवाया जाना व वादीगण

↓
 उपस्थित अधिकारी पदेन
 सहायक कलक्टर करेड़ा

के उपयोग उपभोग में व्यवधान पैदा नहीं करने हेतु स्थायी निषेधाज्ञा जारी फरमायी जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर वादीगण का वादपत्र स्वीकार किये जाने योग्य योग्य ठहरता है। यत एव

:: आदेश ::

वादीगण का वादपत्र स्वीकार कर सरहद करेड़ा पटवार हल्का करेड़ा तहसील करेड़ा जिला भीलवाड़ा की आराजी नम्बर 7873 रकबा 02 बीघा 01 बिस्वा, आराजी नम्बर 7874 रकबा 07 बीघा 15 बिस्वा, आराजी नम्बर 7881 रकबा 07 बीघा 07 बिस्वा, आराजी नम्बर 7883 रकबा 05 बीघा, आराजी नम्बर 7884 रकबा 04 बीघा 17 बिस्वा, आराजी नम्बर 7885 रकबा 04 बीघा 17 बिस्वा, आराजी नम्बर 7886 रकबा 07 बीघा, आराजी नम्बर 7887 रकबा 01 बीघा 14 बिस्वा, आराजी नम्बर 7888 रकबा 03 बीघा 15 बिस्वा, आराजी नम्बर 7889 रकबा 03 बीघा, आराजी नम्बर 7890 रकबा 01 बीघा 13 बिस्वा, आराजी नम्बर 7891 रकबा 01 बीघा 09 बिस्वा कुल किता 12 रकबा 50 बीघा 08 बिस्वा भूमि राजस्व रेकार्ड में प्रतिवादीगण के पूर्वज रामा, गेना, प्रताप, गोकल, छीतर के साथ वादीगण को 1/6 हक हिस्से का खातेदार काश्तकार एवं उपरोक्त खातेदारान रामा, गेना, प्रताप, गोकल, छीतर के वारीसान प्रतिवादी संख्या 01 लगायत 09 को 1/6 हक हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 10 लगायत 17 को 1/6 हक हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 8 लगायत 21 को 1/6 हक हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 22 लगायत 26 को 1/6 हक हिस्सा, प्रतिवादी संख्या 27 लगायत 32 को 1/6 हक हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर वादीगण का नाम 1/6 हक हिस्से के रूप में दर्ज किया जावे व प्रतिवादीगण वादीगण के 1/6 हक हिस्से के उपयोग पभोग में किसी प्रकार का व्यवधान न तो स्वयं पैदा करे व न ही किसी अन्य से करावें। इस निर्णय की लना में तहसीलदार, करेड़ा को तहरीर जारी कर पालना सुनिश्चित करायी जावें। उक्तानुसार डिक्री जारी रे। फरिक्तेन खर्चा अपना अपना वहन करे।

यह निर्णय आज दिनांक 20.08.2025 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

107
(जोगेन्द्र सिंह)
उपखण्ड अधिकारी एवं
आर.ए.एस.
कलक्टर करेड़ा

उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर,
करेड़ा जिला भीलवाड़ा (राज0)